RNI/HIN/2014/55337

Power of Truth

दैनिक तस्दीक

दिल्ली, जयपुर, कोटा, झालावाड़, बारा, जोधपुर, भरतपुर, अलवर, उदयपुर व चित्तौड़ से प्रसारित | सह संपादक-विदुषी राठौड़

वर्षः 12 | अंक-104 | बुधवार 23 अप्रैल, 2025 | हिन्दी प्रातःकालीन | मूल्य -2 रुपए प्रति | कुल-पृष्ठ-4

पहलगाम आतंकी हमला : 27 लोगों की मौत

अमित शाह पहुंचे कश्मीर, दिल्ली-मुंबई में हाई अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए कायराना हमले में 27 लोगों के मारे जाने की खबर है। इसके साथ ही कई लोग घायल है जिन्हें जिला अस्पताल और श्रीनगर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। यह खबर अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स से आ रही है। सूत्र लगातार इस बात का दावा कर रहे हैं कि इस हमले में 27 पर्यटकों की मौत हुई है। सूत्रों का यह भी दावा है कि इन 27 में से 16की पहचान की जा चुकी है। वही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि राज्य के दो लोगों की इस हमले में मौत हुई है। कर्नाटक से सांसद तेजस्वी सूर्य ने कहा कि उनके राज्य से एक लोग की मृत्यु की पुष्टि हुई है। हालांकि प्रभासाक्षी मौत के आंकड़ों की पुष्टि नहीं कर रहा है।

इसी बीच गृह मंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री से बातचीत के बाद सीधे श्रीनगर पहुंच चुके हैं। वहां वह उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में सुरक्षा से जुड़े तमाम बड़े अधिकारी भी मौजूद है। वही एंटी टेरर ऑपरेशन भी शुरू किया जा चुका है। आतंकवादियों की लगातार तलाश की जा रही है। वहीं भारत पहुंचे अमेरिका के उपराष्टपति ने इस हमले पर दुख जताया है। नई दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। लगातार सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

रक्षा अधिकारी ने बताया कि कोच्चि में तैनात भारतीय नौसेना के एक अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल (26वर्ष) छुट्टी पर थे और पहलगाम हमले में शहीद हो गए। वे हरियाणा के मूल निवासी हैं और 16 अप्रैल को उनकी शादी हुई थी। सऊदी अरब की राजकीय यात्रा पर गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा तथा आतंकवाद से लड़ने का भारत का संकल्प अडिग है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूँ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएँ। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

मोदी ने आगे लिखा कि इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा! उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।

इमरजेंसी हेल्प डेस्क नंबर- अनंतनाग पुलिस ने पर्यटकों के लिए दो हेल्पलाइन नंबर 9596777669 और 01932225870 जारी किए हैं। इसके अलावा वॉट्सऐप नंबर 9419051940 जारी किया है। श्रीनगर पुलिस की हेल्प डेस्क इमरजेंसी नंबर 0194-2457543, 0194-2483651, एडीसी श्रीनगर आदिल फरीद का नंबर 7006058623 जारी किया है।

पहलगाम आतंकी हमले पर बोले पीएम मोदी

नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा, एंटी टेरर ऑपरेशन शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब की राजकीय यात्रा पर गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा तथा आतंकवाद से लड़ने का भारत का संकल्प अडिग है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूँ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएँ। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

मोदी ने आगे लिखा कि इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा! उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा। वहीं, एंटी टेरर ऑपरेशन शुरू हो चुका है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ट्वीट किया कि आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया गया है। पूरा देश गुस्से में है और हमारे सुरक्षा बलों का खून खौल रहा है। मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि पहलगाम हमले के अपराधियों को उनके जघन्य कृत्य की बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।

शिक्षकों से ममता बनर्जी की अपील, काम पर लौटें, दागी और बेदाग लोगों की सूची सरकार पर छोड़ दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रदर्शनकारी शिक्षकों से अपनी ड्यूटी पर लौटने की अपील की और वादा किया कि उनकी सरकार उनके वेतन की सुरक्षा करेगी। उनके आश्वासन के बावजूद, हजारों शिक्षक जिनकी नियुक्तियाँ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले द्वारा रद्द कर दी गई थीं - साल्ट लेक में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग कार्यालय के बाहर डेरा डाले हुए हैं और अपना रात भर का विरोध प्रदर्शन जारी रखा है।

ममता बनर्जी के हवाले से बताया कि आपको इस बात की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है कि कौन दागी है और कौन नहीं। आपको बस इस बात की चिंता करने की ज़रूरत है कि आपके पास नौकरी है या नहीं और क्या आपको समय पर वेतन मिल रहा है। दागी और बेदाग शिक्षकों की पहचान करने वाली सूची सरकार और अदालतों के पास है। बनर्जी ने कहा, हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि आपकी नौकरियाँ अभी सुरक्षित हैं और आपको वेतन मिलेगा। कृपया अपने स्कूल वापस जाएँ और कक्षाएँ फिर से शुरू करें। मैंने कल रात से इस बारे में कई बार बात की है। हम आपके साथ हैं।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा कि ग्रुप सी और ग्रुप डी के कर्मचारी, जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी है, के लिए एक समीक्षा याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में दायर की जाएगी और तब तक हम पर अपना विश्वास बनाए रखें। बनर्जी ने कहा कि वह मई के पहले सप्ताह में मुर्शिदाबाद के अशांत क्षेत्रों का दौरा करेंगी। शीर्ष अदालत ने तीन अप्रैल को राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार दिया और पूरी चयन प्रक्रिया को ''दोषपूर्ण और अनुचित'' बताया। न्यायालय के इस आदेश के परिणामस्वरूप अपनी नौकरी खोने वाले 2,000 से अधिक शिक्षकों ने सोमवार शाम को सॉल्ट लेक में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) के कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया।

5 दिन में हटाएं वीडियो, शरबत जिहाद को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने रामदेव को लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। योग गुरु बाबा रामदेव ने मंगलवार को लोकप्रिय पेय रूह अफ़ज़ा के बारे में टिप्पणियों वाले वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने पर सहमति जताई, जिस पर दिल्ली हाई कोर्ट की नाराजगी थी। रामदेव के वकील ने अदालत को बताया कि विवादित वीडियो, जिसमें शरबत जिहाद जैसे विवादास्पद शब्द थे, उसे तुरंत हटा दिया जाएगा। यह आश्वासन दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा रूह अफ़ज़ा को लक्षित करने वाली रामदेव की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करने के तुरंत बाद दिया गया। दिल्ली हाई कोर्ट ने बाबा रामदेव की टिप्पणियों के खिलाफ रूह अफ़ज़ा बनाने वाली कंपनी हमदर्द की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अस्वीकार्य टिप्पणियाँ अदालत की अंतरात्मा को झकझोरती हैं।

अदालत ने रामदेव की टिप्पणियों को गंभीरता से लिया। न्यायाधीश ने कहा जब मैंने वीडियो देखा तो मुझे अपने कानों और आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। हमदर्द की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि यह मुद्दा अपमान से परे है और सांप्रदायिक कलह पैदा करने के उद्देश्य से घृणास्पद भाषण जैसा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसे हटाया जाना चाहिए।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस की जयपुर यात्रा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमेर किले में किया अमेरिकी उपराष्ट्रपति का स्वागत

राजस्थानी आतिथ्य सत्कार से अभिभूत नजर आए वेंस

दैनिक तस्दीक

जयपुर। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति श्री जेम्स डेविड वेंस की जयपुर यात्रा के दूसरे दिन आमेर किले में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने उनका आत्मीयतापूर्वक स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने श्री वेंस को बुके भेंट कर उनके सुखद प्रवास के लिए शुभकामनाएं दी और उन्हें राजस्थान की बहुरंगी संस्कृति एवं आतिथ्य सत्कार परंपरा के बारे में जानकारी दी। श्री वेंस, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती उषा वेंस एवं बच्चे मंगलवार प्रात: 9 बजे आमेर किले का भ्रमण करने पहुंचे। यहां उनका ढोल-नगाड़ों और सजे हुए हाथियों के साथ राजस्थानी परंपरा से स्वागत किया गया। इस दौरान लोक कलाकारों ने पारंपरिक वेश-भूषा में कालबेलिया व कच्छी घोड़ी नृत्य प्रस्तुत किया। राजस्थानी कला-संस्कृति की मनोहारी प्रस्तुतियों से उपराष्ट्रपति श्री वेंस और उनके परिजन अभिभूत नजर आए। इसके बाद वे आमेर किले का भ्रमण कर राजस्थान की ऐतिहासिक स्थापत्य धरोहर से रूबरू हुए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति श्री वेंस सोमवार रात्रि सपरिवार जयपुर पहुंचे थे। श्री वेंस 24 अप्रेल को प्रात: अमेरिका के लिए प्रस्थान करेंगे।

धनखड़ बोले- संसद ही सुप्रीम, उससे ऊपर कुछ नहीं

सांसद असली मालिक; 5 दिन पहले कहा था- सुप्रीम कोर्ट सुपर संसद जैसे काम कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को लेकर चल रही बहस के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संसद ही सबसे ऊपर है। धनखड़ दिल्ली यूनिवर्सिटी में संविधान पर आयोजित प्रोग्राम में स्पीच दे रहे थे।

धनखड़ ने कहा, संसद सर्वोच्च है और उसके ऊपर कोई नहीं हो सकता। सांसद ही असली मालिक हैं, वही तय करते हैं कि संविधान कैसा होगा। उनके ऊपर कोई और सत्ता नहीं हो सकती। इससे पहले 17 अप्रैल को धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का काम ऐसा है, जैसे वो सुप्रीम संसद हो।

धनखड़ का यह बयान तब आया है, जब सुप्रीम कोर्ट में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान का मामला पहुंचा है। दुबे ने कहा था कि मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। ऐसे में सीजेआई किसी राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट और संसद के कार्यक्षेत्र को लेकर बहस तमिलनाडु सरकार और वहां के राज्यपाल के बीच विवाद से शुरू हुई थी। राज्य सरकार के बिल रोके जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यपाल को समय सीमा के भीतर एक्शन लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के बिलों को लेकर राष्ट्रपति के लिए भी एक महीने की टाइम लाइन तय कर दी थी। इस फैसले के बाद निशिकांत दुबे और जगदीप धनखड़ ने बयान दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले की निंदा की

दैनिक तस्दीक

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आतंकी हमले में मृत लोगों की आत्मा की शांति तथा परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेन्स की नीति है और इस घृणित हमले में शामिल कोई भी आतंकी सुरक्षा बलों से बच नहीं पाएगा।

नए को-ऑपरेटिव कोड से सहकारी संस्थाओं में बढ़ेगी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता

सहकारिता को सशक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

दैनिक तस्दीक

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्त्योदय के संकल्प को साकार करने में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नए को-ऑपरेटिव कोड से सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इस नवीन सहकारिता कोड में आमजन को सहकारी सुविधा एवं जन कल्याणकारी योजनाओं तक सुगम पहुंच निश्चित करने के लिए विभिन्न प्रावधान किए गए हैं। यह कोड सहकारी समितियों के आधुनिकीकरण की दिशा में व्यापक सुधार लाएगा।

श्री शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर नए को-ऑपरेटिव कोड के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान सहकारिता अधिनियम-2001 को वर्तमान परिपेक्ष्य में प्रासंगिक बनाने के लिए नवीन को-ऑपरेटिव कोड लेकर आ रही है। इसके लिए गठित एक समिति ने महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और केरल जैसे राज्यों का दौरा कर वहां के सहकारी कानूनों का व्यवहारिक अध्ययन भी किया है तथा इन प्रदेशों के सहकारी कानूनों के प्रभावी प्रावधानों का समावेश नए सहकारिता कोड में किया गया है, जिससे सहकारी संस्थाएं सशक्त हो सके।

नवीन सहकारिता कोड को सरल, व्यावहारिक तथा जनहितेषी बनाया जाए- मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन सहकारिता कोड को सरल, व्यावहारिक तथा जनहितेषी बनाया जाए जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले सके। हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश में सहकारिता को सर्व सुलभ बनाया जाए ताकि प्रदेशवासी सहकारिता के माध्यम से मिलने वाले लाभ से वंचित ना रहे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस नए कोड में डिजिटल गवर्नेंस, ग्राम सेवा सहकारी समितियों को कम्प्यूटराइजेशन, सहकारी समितियों के नियमित चुनाव, ऑडिट प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा बोर्ड के चुनाव में सुधार और समयबद्ध निर्णय प्रणाली जैसे प्रावधान शामिल किए जाए।

श्री शर्मा ने कहा कि सहकार से समृद्धि की भावना के अनुरूप इस नवीन सहकारिता कोड के लिए विभागीय अधिकारी अपने सुझाव दें, जिससे सहकारी समितियों को पारदर्शी एवं आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस संबंध में नियमित बैठक आयोजित की जाए तथा गांवों में सहकारिता मित्र बनाकर उनके सुझाव लिए जाए। इस दौरान बैठक में विभागीय अधिकारियों ने नए को-ऑपरेटिव कोड के प्रारूप को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी। बैठक में कोड से संबंधित प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम कुमार दक सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

संतुलन साधने भारत आए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब पारस्परिक शुल्क को लेकर दुनिया भर में अमेरिका के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। चीन के साथ अमेरिका की तनातनी दिनोंदिन तल्ख होती गई है। भारत में भी अमेरिका के साथ बिगड़ते संबंधों के कयास लगाए जाने लगे थे। मगर जेडी वेंस के साथ बातचीत से द्विपक्षीय व्यापार, शुल्क, क्षेत्रीय सुरक्षा, रणनीतिक और प्रतिरक्षा सहयोग पर कई तरह की आशंकाएं दूर होने की उम्मीद जगी है।

इससे यह भी भरोसा बढ़ा है कि आने वाले समय में अमेरिका के साथ भारत के संबंध प्रगाढ़ रहने वाले हैं। हालांकि अमेरिकी प्रशासन के पारस्परिक शुल्क लगाने के फैसले पर भारत ने कभी कोई तीखी टिप्पणी नहीं की। उसने अमेरिकी मंशा के अनुरूप कई चीजों पर शुल्क घटा भी दिए थे। फरवरी में प्रधानमंत्री, ट्रंप से मुलाकात के लिए अमेरिका गए थे, तभी उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की पेशकश की थी, जिसे अमेरिका ने सहर्ष स्वीकार कर लिया था।

दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को पांच सौ अरब डालर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। फिलहाल दोनों के बीच व्यापार एक सौ नब्बे अरब डालर है। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका अब द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के लिए बातचीत कर रहे हैं, जिसमें शुल्क और बाजार पहुंच सहित कई मुद्दों के हल की उम्मीद है।

हालांकि अभी अमेरिकी प्रशासन ने अपनी शुल्क दरों को लागू करने की तिथि नब्बे दिनों के लिए टाल दी है, पर इससे दुनिया की चिंताएं दूर नहीं हुई हैं। इसके बरक्स चीन ने अपने नए व्यापारिक साझीदार तलाशने शुरू कर दिए हैं। उसने एशिया प्रशांत क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। ऐसे में न केवल उन देशों के सामने शुल्क दरें बढ़ने से व्यापारिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की चिंता बढ़ गई है, बल्कि चीन के बदलते पैंतरे से अमेरिका के माथे पर भी बल पड़ने शुरू हो गए हैं।

भारत के साथ रिश्ते खराब होने से उसे भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता था। मगर भारत ने शुरू से अमेरिका के साथ अपने संबंधों में किसी तरह की ठंडक नहीं आने दी है। वेंस की भारत यात्रा से दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने डोनाल्ड ट्रंप के विशेषाधिकार प्राप्त सहयोगी एलन मस्क से फोन पर बातचीत की थी, जिसमें तकनीकी सहयोग और व्यापारिक संबंधों में मजबूती लाने के संकल्प दोहराए गए थे। इस तरह वेंस की भारत यात्रा का आधार पहले से तैयार था और उसी के अनुरूप उन्होंने बातचीत को आगे बढ़ाया है।

भारत न केवल अमेरिका के लिए बड़ा बाजार, बल्कि बड़ा व्यापारिक साझीदार भी है। अमेरिका के पारस्परिक शुल्क थोपने से भारत के कृषि, प्रसंस्कृत खाद्य, वाहनों के पुर्जे, उच्च-स्तरीय मशीनरी, चिकित्सा उपकरण और आभूषण के क्षेत्र में बड़ा झटका लगने की आशंका बढ़ गई थी, तो अमेरिका के लिए दवा, आभूषण आदि क्षेत्रों में बड़े नुकसान का कयास है। एलन मस्क ने खुद भारत में अपनी व्यापारिक गतिविधियां बढ़ाने पर जोर दिया है।

इसलिए वेंस की यात्रा दोनों देशों की जरूरतों के मद्देनजर हुई है। अब यह अमेरिका पर है कि वह किस तरह भारत सहित दूसरे देशों के साथ अपनी शुल्क नीति में संतुलन साधने का प्रयास करता है। भारत की चिंताएं व्यापार के अलावा दूसरी भी हैं, जिनमें वहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार वीजा में सहूलियतें बढ़ना भी शामिल है। वेंस की यात्रा से संबंधों में संतुलन बनना शुरू हो गया है।

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

> *आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एवं राजनीतिक विरोध एक बड़ा प्रश्न है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में हिन्दी को नहीं मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं।*

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है।

त्रिभाषा फार्मूले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेज़ी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फार्मूले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फार्मूले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई

से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फार्मूले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडू में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे। कर्नाटक के नेता एच.डी. देवेगौड़ा जब पीएम बने तो उन्होंने लालकिले से हिंदी में ही अपना भाषण दिया था। हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एवं राजनीतिक विरोध एक बड़ा प्रश्न है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में हिन्दी को नहीं मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों?

विशेष आलेख

शिक्षा संस्थानों के खिलाफ ट्रंप की जंग

ट्रंप प्रशासन ने पिछले कुछ हफ्तों से विदेशी छात्रों की धरपकड़ और वीजा रद्द करने का अभियान शुरू कर रखा है, जिससे अमेरिकी विश्वविद्यालय परिसरों में भय का माहौल है. इसका घोषित उद्देश्य उन छात्रों का शैक्षणिक वीजा रद्द करना और देश से निकालना है, जिन पर फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों में भाग लेने और यहूदी विरोधी विचारधारा रखने का संदेह है. एक हजार से भी अधिक विदेशी छात्रों की धरपकड़ हो चुकी है या वीजा रद्द किये जा चुके हैं. इसकी चपेट में भारत के छात्र भी आ रहे हैं, क्योंकि अमेरिका में पढ़ने वाले 11 लाख विदेशी छात्रों में लगभग हर तीसरा छात्र भारतीय होता है. धरपकड़ के ब्योरों से पता चलता है कि फिलिस्तीन समर्थक गतिविधियों में भाग लेने वालों को ही नहीं, छोटे-मोटे अपराध में शामिल छात्रों को भी निशाना बनाया जा रहा है. विदेश मंत्री मार्को रूबियो का कहना है कि वीजा अमेरिका में आकर पढ़ाई करने के लिए दिये जाते हैं, परिसरों में उत्पात मचाने के लिए नहीं.

ट्रंप की इस वैचारिक जंग का घोषित उद्देश्य शिक्षकों, छात्रों और परिसरों में फैली यहूदी विरोधी भावना का उन्मूलन करना है. हमास के बर्बर हमले के जवाब में इस्राइल के विनाशकारी हमले के कारण वह और प्रबल हुई है, पर वास्तविक उद्देश्य उससे अधिक व्यापक है. ट्रंप का मानना है कि कोलंबिया, पेंसिलवेनिया, प्रिंसटन, हार्वर्ड, स्टेनफोर्ड और येल जैसे आइवी लीग विश्वविद्यालय अतिवादी वामपंथी एवं लिबरल, यानी वोक विचारधारा के अड्डे बन चुके हैं और वहां अमेरिका की पारंपरिक दक्षिणपंथी विचारधारा के लिए जगह नहीं बची है. अपने चुनाव प्रचार के दौरान भी ट्रंप इन्हें रिपब्लिकन कंजरवेटिव विचारधारा के दुश्मन कहते रहे. इसलिए उन्होंने सत्ता संभालते ही यहूदी विरोध पर अंकुश लगाने के नाम पर एक कार्यबल का गठन किया, जिसने पहला निशाना न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी को बनाया, जहां से पिछले अप्रैल में फिलिस्तीन समर्थक तंबू आंदोलन की शुरुआत हुई थी.

यहूदी विरोधी कार्यबल ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी को शैक्षणिक, प्रशासनिक और चयनात्मक सुधारों की एक सूची भेज लिखा था कि जब तक ये सुधार नहीं किये जाते, तब तक केंद्र से मिलने वाला उसका 40 करोड़ डॉलर का अनुदान रोक लिया जायेगा. केंद्रीय अनुदान के बिना यूनिवर्सिटी के शोध और अन्वेषण के कार्यक्रमों के

साथ कई महत्वपूर्ण विभागों का काम ठप हो सकता था, इसलिए उसने कुछ को छोड़ ट्रंप प्रशासन की कई प्रमुख मांगें मानते हुए पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और अफ्रीकी अध्ययन विभागों के अपने वरिष्ठ प्रोफेसरों और अधिकारियों को बदला तथा फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों व यहूदी विरोधी संगठनों से जुड़े दर्जनों छात्रों को बर्खास्त किया, पर तब भी प्रशासन ने केंद्रीय अनुदान राशि पर लगी रोक नहीं हटायी.

ट्रंप प्रशासन का अगला निशाना हार्वर्ड था, जिसके अधिकारियों और वकीलों का दल करीब दो हफ्तों से यहूदी विरोधी कार्यबल के साथ बातचीत कर ट्रंप प्रशासन की शिकायतें दूर करने के लिए विश्वविद्यालय की स्वायत्तता बनाये रखते हुए कुछ सुधार करने के प्रयास कर रहा था. हार्वर्ड ने भी अपने पश्चिम एशिया अध्ययन केंद्र के निदेशक को बर्खास्त किया था, क्योंकि उस पर इस्राइली दृष्टिकोण को समाहित न करने के आरोप थे, पर यहूदी विरोधी कार्यबल ने अचानक 11 अप्रैल की रात को ई-मेल से एक पत्र भेजा, जिसमें ऐसी 10 मांगें रखी गयी थीं, जिन्हें मानना हार्वर्ड जैसी प्रतिष्ठित और पुरानी संस्था के लिए संभव नहीं था. लिहाजा हार्वर्ड को करारा जवाब देते हुए कहना पड़ा कि उसके लिए इस तरह की शैक्षणिक स्वायत्तता छीनने वाली मांगें स्वीकार करना संभव नहीं होगा.

हार्वर्ड का जवाब मिलते ही ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि यह पत्र भूल से चला गया है. हार्वर्ड सुधारों को लेकर बातचीत कर रहा है, इसलिए इस समय पत्र नहीं जाना चाहिए था. इससे लगता है कि ट्रंप प्रशासन इस समय हार्वर्ड के साथ लड़ाई को आगे नहीं बढ़ाना चाहता, पर इसका अर्थ यह भी नहीं है कि ट्रंप प्रशासन पीछे हट रहा है. उसने जवाब में हार्वर्ड को मिलने वाले 220 करोड़ डॉलर के केंद्रीय अनुदान और छह करोड़ डॉलर के अनुबंध रोकने का एलान कर दिया है. प्रशासन ने हार्वर्ड को शैक्षणिक संस्था होने के नाते मिलने वाली सब्सिडियां और टैक्स छूट समाप्त करने तथा दाखिला लेने वाले विदेशी छात्रों को वीजा देना बंद कर देने की धमकियां भी दे डाली हैं. हार्वर्ड अमेरिका का सबसे पुराना होने के साथ-साथ सबसे धनी विश्वविद्यालय भी है, जिसके पास 5,320 करोड़ डॉलर का दानकोष है. इसलिए वह चाहे, तो केंद्रीय अनुदान के बिना भी कुछ वर्ष अपना कामकाज चला सकता है.

स्वायत्तता की इस लड़ाई में अब कोलंबिया, स्टेनफोर्ड, प्रिंसटन और कॉर्नेल जैसी आइवी लीग यूनिवर्सिटियों का साझा मोर्चा बनाने की बातें भी हो रही हैं, पर इस लड़ाई में जनता पूरी तरह इन संस्थानों के साथ खड़ी नहीं दिखती. पिछले तीन-चार दशकों में उद्योग-धंधे बंद होने से कॉलेज शिक्षितों और कॉलेज शिक्षा वंचितों के बीच आर्थिक विषमता की खाई और बढ़ी है. ट्रंप ने आर्थिक रूप से विपन्न और बेरोजगार हुए इन्हीं लोगों के वोट हासिल कर चुनाव जीता था. अब इसी बहुसंख्यक आबादी में उन उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रति संदेह की भावना बढ़ रही है, जिनके खिलाफ ट्रंप ने वैचारिक जंग छेड़ी है.

ट्रंप ने खुला हमला बोलते हुए पिछले दिनों अपने सोशल मीडिया मंच से जारी टिप्पणी में लिखा, 'हार्वर्ड जिन्हें पढ़ाने के लिए बुलाता है, वे लगभग सभी वोक, अतिवामपंथी और पक्षी जितने दिमागों वाले मूर्ख हैं, जो छात्रों और तथाकथित कल के नेताओं को केवल नाकामी ही सिखा सकते हैंज हार्वर्ड एक मजाक बन गया है, जहां नफरत और बेवकूफी सिखायी जाती है. वह केंद्रीय अनुदान के लायक नहीं बचा है,' यदि भारत का प्रधानमंत्री अतिवामपंथी विचारधारा से उकता कर अपने सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय के बारे में ऐसा कुछ बोल दे, तो कल्पना करें कि क्या होगा, परंतु ट्रंप अपने जनाधार और जनमत को उकसा कर शिक्षा संस्थानों को ही नहीं, बल्कि विधि संस्थानों, अदालतों, मीडिया और बाबूशाही को भी वामपंथी वोक विचारधारा से मुक्त कराना और दक्षिणपंथी रिपब्लिकन विचारधारा का वर्चस्व कायम करना चाहते हैं, परंतु उसके लिए अमेरिका को विश्व की शिक्षा, अन्वेषण और नवाचार की महाशक्ति बनाने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों की छवि की बलि चढ़ाना ऐसा जोखिम है, जो उस देश को दशकों पीछे धकेल सकता है.

वैकल्पिक ऊर्जा के उपयोग से ही बचेगी धरती

अब जब संयुक्त राष्ट्र के पास पृथ्वी के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के लिए बहुत अधिक विकल्प नहीं बचे हैं, तो वह एक और उपाय के रूप में दुनिया को यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि हमें अपनी ऊर्जा निर्भरता को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर मोड़ना चाहिए. यह बात काफी हद तक सत्य भी है कि पृथ्वी के तापमान में हुई वृद्धि के पीछे यदि कोई बड़ा कारण है, तो वह बढ़ती ऊर्जा खपत ही है. वर्तमान में दुनियाभर में कई बैठकों और सम्मेलनों का आयोजन हो रहा है, पर वे अक्सर 'ढाक के तीन पात' ही साबित होते हैं. हर वर्ष आयोजित होने वाले कॉप (सीओपी) सम्मेलनों में अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है.

संयुक्त राष्ट्र के पास अब केवल यही रास्ता बचा है कि वह पृथ्वी दिवस, जल दिवस, वन संरक्षण दिवस जैसे अवसरों पर दुनिया के लोगों को पर्यावरणीय संकट की गंभीरता से अवगत कराये और उन्हें वैकल्पिक ऊर्जा की दिशा में प्रेरित करे. आज यदि दुनिया के सामने सबसे बड़ी कोई चुनौती है, तो वह यही है कि हमारी ऊर्जा खपत निरंतर बढ़ रही है और इस खपत का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा आज भी कोयले जैसे प्रदूषणकारी स्रोतों से प्राप्त होता है. हालांकि अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का योगदान धीरे-धीरे बढ़ रहा है, पर मौजूदा चुनौतियों और बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं के सामने यह अब भी अपर्याप्त प्रतीत होता है. हमारे देश में भी इस दिशा में गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं, परंतु विकास कार्यों और औद्योगिक विस्तार के कारण ऊर्जा की मांग एवं खपत स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी ही. जब तक हमारी ऊर्जा का प्रमुख स्रोत कोयला रहेगा, तब तक कार्बन डाइऑक्साइड पर नियंत्रण संभव नहीं हो पायेगा. यह गैस हमारे जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है. फिर भी, यदि हम अपने ऊर्जा स्रोतों को वैकल्पिक ऊर्जा की ओर स्थानांतरित करने में सफल हो पाते हैं, तो इस संकट पर कुछ हद तक नियंत्रण अवश्य पा सकते हैं.

भारत में वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में गंभीरता से काम हो रहा है. विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया सोलर मिशन इस दिशा में एक प्रभावशाली पहल रहा है. वर्तमान में भारत की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता लगभग 463 गीगावाट है, जिसमें से 201.45 गीगावाट हमें वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त हो रहा है. यह जानना संतोषजनक है कि भारत ने अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को बड़े

स्तर पर वैकल्पिक स्रोतों पर स्थानांतरित करने का प्रयास किया है. भारत न केवल विकासशील देशों में सबसे बड़ा उपभोक्ता है, बल्कि अब एक बड़ा उत्पादक भी बन चुका है. वर्तमान में हमारी वैकल्पिक ऊर्जा की कुल संभावित क्षमता लगभग 452.69 गीगावाट है और यदि हम इसका अधिकतम उपयोग कर सकें, तो कोयले पर हमारी निर्भरता को कम किया जा सकता है. भारत में वैकल्पिक ऊर्जा के सात प्रमुख स्रोत हैं- पवन ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, जल ऊर्जा, सौर ऊर्जा, महासागरीय ऊर्जा, जैव ऊर्जा और हाइड्रोजन ऊर्जा. बीते कुछ वर्षों में इन पर हमारी निर्भरता बढ़ी है. यह भी देखा गया है कि हमारी वैकल्पिक ऊर्जा पर निर्भरता पांच प्रतिशत की दर से बढ़ रही है. इसी प्रकार, जैव ऊर्जा में भी हमारी निर्भरता 6.5 प्रतिशत तक बढ़ गयी है और इसका उत्पादन भी अब देश में ही हो रहा है. भारत के कुछ प्रमुख राज्यों- राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र- ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है. वहीं दक्षिण भारत में पवन ऊर्जा ने भी निरंतर विद्युत उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है.

भारत की कुल ऊर्जा आवश्यकताएं वर्तमान में 1.14 गीगाटन तेल समतुल्य (जीटीओइ) हैं और 2020 में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत लगभग आठ टन थी, जो एशिया के औसत के करीब मानी जाती है. हाल ही में हमारी ऊर्जा आवश्यकता में लगभग 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है. यदि हम अपनी प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत देखें, तो यह 1.35 किलोवाट है, जो पूर्व की तुलना में 45.8 प्रतिशत अधिक है. हमारी ऊर्जा निर्भरता अब परमाणु, जल, पवन और सौर जैसे अन्य स्रोतों की ओर भी निरंतर बढ़ रही है, और इसमें तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गयी है. सरकार भी इसे लेकर गंभीर है और सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि अधिकाधिक ऊर्जा वैकल्पिक स्रोतों से प्राप्त की जा सके.

छोटी-बड़ी खबरे...

चित्तौड़गढ़ में थाना कोतवाली पुलिस ने किया नकली घी के अवैध कारोबार का भंडाफोड़

छापामारी में 1543 किलो नकली घी जब्त, वनस्पति घी और पॉम ऑयल से बना रहे थे नकली घी

दैनिक तस्दीक

जयपुर। चित्तौड़गढ़ जिले की थाना कोतवाली पुलिस ने नकली घी के अवैध कारोबार के खिलाफ मंगलवार को कार्रवाई करते हुए चित्तौड़गढ़ शहर के नजदीक गांव चित्तौड़ीखेड़ा में वनस्पति घी और पाम ऑयल से नकली घी बनाने के गोदाम पर छापा मारकर 1543 किलो नकली घी, 160 किलोग्राम पॉम ऑयल व 1187 किलोग्राम वनस्पति घी बरामद किया है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर फेक्ट्री में काम कर रहे दो नाबालिग बच्चों को भी रेस्क्यू किया है।

एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि शहर के नजदीक चित्तौड़ी खेड़ा में भेरूलाल गुर्जर के किराए के गोदाम में नकली घी बनाकर उसे बाजार में बेचकर लोगो के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने व गोदाम में भारी मात्रा में नकली घी के टिन व नकली घी बनाने का कच्चा माल व मशीने लगी हो नाबालिग बच्चों से नकली घी बनाने की फेक्ट्री में काम करवाने की सूचना मिलने पर एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन व सीओ विनय चौधरी के सुपरविजन में एसएचओ कोतवाली के निर्देश पर एसआई देवेंद्र कुमार, एएसआई जितेन्द्र सिंह, हैड कांस्टेबल नारायण लाल, कांस्टेबल हरफूल, धर्मेंद्र सिंह, ओमप्रकाश, बहादुर सिंह व संजय कुमार द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम शर्मा को साथ लेकर चित्तौड़ी खेड़ा स्थित भेरूलाल गुर्जर के गोदामों पर छापा मारा गया।

तलाशी लेने पर कृतज्ञ और गऊ दर्शन आदि ब्रांड के कुल 1543 किलो ग्राम नकली घी एवं 160 किलोग्राम पॉम ऑयल व 1187 किलोग्राम वनस्पति घी तथा नकली घी बनाने की मिक्सिंग हीटिंग मशीने आदि उपकरण मिले। आरोपी भेरुलाल गुर्जर द्वारा पॉम ऑयल, वनस्पति घी, एसेंस आदि को एसएस हीटिंग टैंक में मिश्रण कर हानिकारक नकली घी तैयार कर रहा रहा। इसके लिए फैक्ट्री में नाबालिक बालकों को मजदूरी करवा कर शोषण कर रहा था।

फैक्ट्री में मजदूरी कर रहे दोनों बालकों का रेस्क्यू कर 1543 किलो नकली घी, 160 किलो पॉम ऑयल व 1187 किलो वनस्पति घी तथा नकली घी बनाने की मिक्सिंग हीटिंग मशीने आदि उपकरण को जब्त कर पुलिस ने आरोपी राजसमंद जिले के कुंवारिया थाना के करणपुरिया हाल राजनगर थाना अंतर्गत ढाणी चबूतरा बड़ापाड़ा निवासी भैरूलाल गुर्जर पुत्र लाडू राम गुर्जर निवासी करणपुरिया थाना कुंवारिया हाल राजनगर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी भेरुलाल गुर्जर के खिलाफ थाना कोतवाली पर प्रकरण दर्ज कर पूछताछ व अनुसंधान जारी है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घाटी के पास आतंकियों ने घुड़सवारी कर रहे पर्यटकों पर हमला किया

घटना की पूर्व राज्यमंत्री जाड़ावत ने कड़ी भर्त्सना की

दैनिक तस्दीक

शंभूपुरा। राजस्थान सरकार के पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने आतंकी घटना की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा की पहलगाम एक शांत इलाका है जहा का मुख्य व्यवसाय पर्यटन है, जहा आतंकियों ने निर्दोष पर्यटकों पर हमला कर अपनी कायरता दिखाई है मृतकों एवं घायलो के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर कहा मोदी सरकार को हमले का करारा जवाब देना चाहिए हमले के दोषियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए शीघ्र क्षेत्र में शांति के प्रयास तेज हों जिससे पर्यटन पर असर नहीं पड़े।

उन्होंने कहा की श्रीनगर, पहलगाम, गुलमर्ग और सोनमर्ग में पर्यटक स्थल की वजह से लाखो लोग वर्ष भर घूमने पहुचेगे एवं जुलाई अगस्त माह में अमरनाथ जाने वाले श्रद्धालु द्वारा पंजीयन कराया जा रहे है इससे पूर्व आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए मोदी सरकार को पाकिस्तान की घेरा बंदी करनी चाइए कही ना कही जम्मू कश्मीर में हर आतंकी गतिविधियों का जिम्मेदार पाकिस्तान है कांग्रेस और पूरा देश सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है इस अमानवीय कृत्य किया कड़ी भर्त्सना करते है।

होटल में तोड़फोड़ और मारपीट मामले में कार्रवाई

कोटपूतली पुलिस ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार, शहर में पैदल घुमाया

दैनिक तस्दीक

कोटपूतली। कोटपूतली के कंवरपुरा एनएच 48 स्थित होटल आशीर्वाद में हुई तोड़फोड़ और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

घटना धुलंडी के दिन की है, जब कुछ बदमाशों ने खाने को लेकर होटल कर्मचारियों से झगड़ा किया। इसके बाद आरोपियों ने होटल में जमकर तोड़फोड़ की और मौके से फरार हो गए। होटल मालिक और पीड़ित पक्ष ने कोटपूतली थाने में मामला दर्ज करवाया था।

पुलिस ने एक महीने पहले इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आज शाम 5 और आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों को नगरपालिका तिराहे से मुख्य चौराहे तक पैदल चलाया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग आरोपियों को देखने के लिए जमा हो गए।

थाना अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि राजस्थान पुलिस के आमजन में विश्वास, अपराधियों में भय के सिद्धांत को सार्थक करने के लिए यह कदम उठाया गया। उन्होंने कहा कि इससे अन्य अपराधियों को सबक मिलेगा और भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। बाद में सभी आरोपियों को राजकीय बीडीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

निष्क्रिय पदाधिकारी जल्द होंगे पद मुक्तः अब्दूल कलाम

सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे ला कर संगठन को मजबूत करे : प्रमोद जेन भाया

संगठन को मिल जुल कर आगे बढ़ाएः आबिद कागजी

दैनिक तस्दीक

बारां। जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग बारां की बैठक मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय बारां पर संपन्न हुई बारा शहर अध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी व जिला संगठन महामंत्री एडवोकेट हस्सान खान ने सयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी अब्दुल कलाम खान, प्रदेश अध्यक्ष जी ने भाग लिया वहीं अध्यक्षता पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में आए हुए मेहमानों का पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया जिला अध्यक्ष शाहिद कुंडी जिला उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी,गनी भाई ,वाहिद भाई शाहिद इकबाल भाटी,महिला जिलाध्यक्ष ब्रजेश वर्मा ,जिला महामंत्री हेमलता सोन,आदि ने 51 किलो के फूल माला। शाल ओढ़ाकर इस्तकबाल किया बैठक में प्रदेश प्रभारी अब्दुल कलाम

खान ने कड़े शब्दों में निर्देश दिए की जिले में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए काम करें व विभाग में निष्क्रिय पदाधिकारीयों को तुरंत पद मुक्त कर व उनके स्थान पर सक्रिय में युवा पदाधिकारीयों को स्थान दें। प्रदेश अध्यक्ष आबिद कागजी ने मिलजुल कर संगठन में संगठित होकर काम करने व जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने की निर्देश दिए। पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान में पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए अनेक कार्यकारी योजनाएं चलाई गई किंतु आज राजस्थान में भाजपा सरकार द्वारा द्वेष पूर्ण राजनीति में अल्पसंख्यक के लिए भेदभाव रखते हुए कार्य किया जा रहे हैं। बैठक में किशनगंज ब्लाक अध्यक्ष बबलू भाई फल्दी मांगरोल ब्लाक अध्यक्ष अख्तर बख्तावर, शाहबाद ब्लॉक अध्यक्ष परवेज मंसूरी, हरनावदा शाहजी नागर अध्यक्ष सद्दाम मेव जिला महामंत्री शेरू खान अरबाज खान , छबड़ा नगर अध्यक्ष आदिल सालार गाजी किशनगंज ब्लाक अध्यक्ष अजीज नाजा मांगरोल नगर कोंग्रेस अध्यक्ष डॉक्टर इजहार सीमा के के आर प्रदेश उपाध्यक्ष ,रिजवान खान पूर्व पप्रदेश सचिव रईस फैजी पूर्व चेयरमन असगर भाई खान जाकिर हुसैन खिलजी अशफाक कादरी पार्षद अनवर जी पीटीआई समीर खान बंटी ,परवेज खान अखलाक अंसारी, शरीफ रंगरेज ,रिंकू सूरमा, राजा फर्नीचर, राशिद लोडी,फिरोज खान, जुनैद अंसारी, अलफेज पठान, अब्दूल कलाम, निसार खान, अनवर मास्टर, समाज सेवी शेख़ बहादुर, मुन्ना पठान इशरत खान, अकील शादाब , फिरोज भाई, वसीम खान, शरिक ठेकेदार,अब्दुल मजीद मदनी,मकदुम भाई ,शाकिर पठान, उमर मियां ,अशफाक खान बाला खेड़ा ,रईस नयापुरा ,हनीफ मिस्त्री ,साजिद खान ,वसीम अक्रम ,मों शरीफ , जब्बार हुसैन ,मुन्ना मंसूरी ,निजामुद्दीन कल्लू दिन अली ,अब्दुल हफ़िज़, आदि सहित सेंकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मोजूद रहे अंत में आए सभी कार्यकर्ता का जाकिर मंसूरी ने शुक्रिया अदा किया।

171 वां निःशुल्क नेत्र जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर सम्पन्न

150 मरीजों की आंखों की जांच कर 54 मोतियाबिंद योग्य मरीजों को किया चिन्हित

दैनिक तस्दीक

छीपाबड़ौद। भारत विकास परिषद के तत्वावधान में जिला अंधता निवारण समिति बांरा के निर्देशन में 171 वां निशुल्क नैत्र जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन मंगलवार को आर्य वाटिका में आयोजित किया गया। सचिव विकास सोनी ने बताया कि स्वर्गीय कन्हैया लाल तिवारी,चंद्रकला एवं स्वर्गीय भारत तिवारी (पत्रकार) की पुण्य स्मृति में भोजराज तिवारी,दीपा तिवारी एवं देवेश तिवारी के सहयोग से नेत्र शिविर का आयोजन किया गया भामाशाह एवं मुख्य अतिथि विधायक अनुज महाराज सिंह सिंघवी द्वारा परिषद् की आराध्य भारत माता एवं पथ-प्रदर्शक स्वामी विवेकानंद की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ

किया तत्पश्चात प्रांतीय उपाध्यक्ष महेंद्र नागर, जिला प्रभारी धीरज बाठला,चिकित्सा प्रभारी अखिलेश गर्ग नेत्र शिविर प्रभारी नरेन्द्र बाठला द्वारा भामाशाह का अक्षत तिलक लगा एवं अपर्णा पहना कर स्वागत सम्मान किया।मण्डल अध्यक्ष हितेश वैष्णव, पूर्व सरपंच अर्जुन सोनी, टीकमचंद देवरी जोध,पूर्व उपसरपंच शाहिद अली,भरत राज मीणा महेन्द्र नागर गोविन्दपुरा,मोहन नागर सारथल ओमप्रकाश नामदेव, शिवनारायण नामदेव, कल्याण सिंह कुशवाह, देवेन्द्र प्रजापति अतिथियों का अशोक सोगानी,गिरिराज बंसल, रुपचंद शर्मा, आशीष बिंदल,पवन अहीर, गिरधर अरोड़ा द्वारा अक्षत तिलक लगा कर स्वागत सम्मान किया। सहप्रभारी लक्ष्मीकांत गौत्तम ने बताया कि शिविर में सतगुरू संकल्प नैत्र चिकित्सालय आनंदपुर की विशिष्ट चिकित्सकों की टीम द्वारा 150 मरीजो की जाँच कर नि:शुल्क दवाइयाँ वितरित की गई एवं 54 मोतियाबिंद ऑपरेशन के योग्य पाये गये मरीजों को चिन्हित कर सतगुरू संकल्प नैत्र चिकित्सालय आनंदपुर भेजा गया साथ ही सभी मरीजों को भोजन के पैकिट वितरित किए गये शिविर में कोटा, बारां, मांगरोल, केलवाड़ा, शाहबाद, अकलेरा, अटरू, छबड़ा, मनोहरथाना,किशनगंज, झालावाड़ के मरीज नि:शुल्क जांच और ऑपरेशन करवा रहे है। अब तक नि:शुल्क 90620 मरीजों की जांच कर 35626 मरीजों के लेन्स प्रत्यारोपण किऐ जा चुके हैं।

विश्व पृथ्वी दिवसः अकलंक कॉलेज ऑफ एजुकेशन, में जीव दया टीम द्वारा पर्यावरण संरक्षण पहल

पक्षियों के लिए परिंडे और विक्रेताओं को कपड़े के थैले वितरित किए गए

दैनिक तस्दीक

कोटा (भारत सिंह चौहान)। विश्व पृथ्वी दिवस के शुभ अवसर पर अकलंक कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कोटा में एक महत्वपूर्ण पर्यावरण अनुकूल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जीव दया टीम, कोटा इकाई के नेतृत्व में आयोजित इस पहल का मुख्य उद्देश्य गर्मियों के मौसम में पक्षियों को राहत प्रदान करना और प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में एसोसिएशन के सचिव अनिमेष जैन की गरिमा मय उपस्थित रही।

कार्यक्रम का नेतृत्व जीव दया टीम की अध्यक्षा किरण जैन और उपाध्यक्षा सुनीता जैन ने किया, जबकि सुश्री सरिता जैन और डॉ. सुनैना गंगेले ने कार्यक्रम के संयोजन की जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर परिंडे लगाने व कपड़े के थैले वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के बर्तन स्थापित किए गए, ताकि गर्मियों के दौरान उन्हें पानी आसानी से

उपलब्ध हो सके। स्थानीय सब्जी और फल विक्रेताओं को प्लास्टिक थैलों के विकल्प के रूप में पर्यावरण-अनुकूल कपड़े के थैले वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के सचिव अनिमेष जैन ने अपना उद्बोधन देते हुए कहा, आज विश्व पृथ्वी दिवस के शुभ अवसर पर जीव दया टीम द्वारा की गई यह पहल अत्यंत सराहनीय है। पर्यावरण संरक्षण और जीव संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। हमारे छोटे-छोटे प्रयास जैसे कि पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना और प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैलों का उपयोग करना, हमारी पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए बड़े योगदान साबित हो सकते हैं।

उन्होंने आगे जोड़ा, जीव दया टीम की अध्यक्षा किरण जैन और उपाध्यक्षा सुनीता जैन के नेतृत्व में यह टीम निरंतर ऐसे सराहनीय कार्य कर रही है। मैं इस नेक कार्य में अपना योगदान देने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में अकलंक शोध संस्थान की निदेशक डॉ. संस्कृति जैन सहित कॉलेज के संकाय सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी की। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से विक्रेताओं को कपड़े के थैले वितरित किए और परिंडे लगाने में योगदान दिया।

ऑफ सीजन यात्रा बन सकती है किफायती यात्रा

कम बजट में दुनिया घूमने के कारगर : परमानंद गोयल

दैनिक तस्दीक

कोटा (भारत सिंह चौहान)। भारत में यात्रा के मामले में गुजरात अग्रणी प्रदेश है। दूसरा तथ्य यह है

कि भारत में धार्मिक यात्रायें भावनाओं से जुड़ी होती हैं, उनमें लोगों की अधिक रुचि होती है । आजकल हर किसी का सपना होता है कि वह दुनिया घूमे, धार्मिक यात्राओं के साथ साथ नई संस्कृतियों को जाने और रोमांचक अनुभवों को हासिल करे। लेकिन अक्सर बजट की चिंता इस सपने को साकार होने से रोक देती है। हालांकि, सच्चाई यह है कि थोड़ी सी योजना और स्मार्ट रणनीतियों को अपनाकर आप कम खर्च में भी दुनिया की सैर कर सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे ही किफायती यात्रा के फंडे जो आपको अपनी सपनों की यात्रा को साकार करने में मदद कर सकते हैं-

सही समय और स्थान का चुनाव- ऑफ-सीज़न में यात्रा करें और कम ज्ञात लेकिन आकर्षक स्थानों को चुनें ताकि फ्लाइट और होटल के दामों में भारी बचत हो सके।

पहले से योजना और बुकिंग- अपनी यात्रा की योजना कम से कम कुछ महीने पहले बनाएं और फ्लाइट व आवास की बुकिंग जितनी जल्दी हो सके करें ताकि बेहतर विकल्प मिल सकें।

स्मार्ट आवास विकल्प- महंगे होटलों के बजाय होमस्टे और अनुभवों के लिए ब्रोकर के रूप में एक ऑनलाइन बाज़ार संचालित करती है) जैसे किफायती विकल्पों पर विचार करें, जो सामाजिक और सांस्कृतिक अनुभव भी प्रदान करते हैं।

किफायती परिवहन के तरीके- लंबी दूरी के लिए बस या ट्रेन जैसे विकल्पों को प्राथमिकता दें और शहर के अंदर घूमने के लिए सार्वजनिक परिवहन, पैदल चलना चुनें।

खाने-पीने में समझदारी- स्थानीय बाजारों और फूड स्टॉलों पर मिलने वाले स्वादिष्ट और सस्ते व्यंजनों को आजमाएं। इसमें हेल्दी फूड का ध्यान रखें।

मुफ्त या कंसेशनल गतिविधियों का लाभ- संग्रहालयों के मुफ्त या कंसेशनल प्रवेश दिनों, पार्कों, ऐतिहासिक इमारतों के बाहरी दृश्यों और स्थानीय बाजारों का आनंद लें। मुफ्त वॉकिंग टूर्स भी एक अच्छा विकल्प हैं।

लचीलापन और खुलापन- अपनी योजनाओं में बदलाव के लिए तैयार रहें यदि इससे पैसे बचते हों। अप्रत्याशित स्थितियों के लिए खुले रहें और नए अनुभवों को स्वीकार करें।

बचत और बजटिंग- यात्रा शुरू करने से पहले एक बजट निर्धारित करें और उस पर टिके रहें। अपने खर्चों पर नज़र रखें और अनावश्यक खर्चों से बचें।

समूह में यात्रा- दोस्तों या परिवार के साथ यात्रा करने से आवास और परिवहन की लागत को साझा किया जा सकता है, जिससे प्रति व्यक्ति खर्च कम होता है।

स्थानीय छूट और कूपन- स्थानीय आकर्षणों, गतिविधियों और रेस्तरां के लिए छूट और कूपन खोजने का प्रयास करें, जो विभिन्न वेबसाइटों और ऐप्स पर उपलब्ध हो सकते हैं।

लंबी अवधि की यात्रा- कभी-कभी, लंबी अवधि के लिए किसी स्थान पर रहना अल्पकालिक यात्राओं की तुलना में अधिक किफायती हो सकता है, जिससे दैनिक लागत कम हो सकती है।

क्रेडिट कार्ड और रिवॉर्ड प्रोग्राम- यात्रा पर खर्च करने पर रिवॉर्ड पॉइंट या माइल्स प्रदान करने वाले क्रेडिट कार्ड का बुद्धिमानी से उपयोग करें ताकि भविष्य की यात्राओं पर छूट मिल सके।

यात्रा बीमा- कम बजट में यात्रा करते समय भी यात्रा बीमा करवाना महत्वपूर्ण है ताकि अप्रत्याशित चिकित्सा या अन्य आपात स्थितियों में वित्तीय सुरक्षा मिल सके।

नकदी बनाम कार्ड का सही उपयोग- अपनी यात्रा के स्थान के आधार पर नकदी और कार्ड के मिश्रण का उपयोग करें और विदेशी मुद्रा दरों व लेनदेन शुल्क पर ध्यान दें।

समान विचारधारा और आर्थिक स्थिति वाले सहयात्री- यात्रा में लगभग समान विचारधारा और लगभग समान आर्थिक स्थिति वाले व्यक्तियों को शामिल करना यात्रा को अधिक सामंजस्यपूर्ण और लागत-प्रभावी बना सकता है। इससे गतिविधियों, भोजन और आवास के विकल्पों पर सहमति बनाना आसान होता है और अनावश्यक वित्तीय दबाव से बचा जा सकता है।

परिवहन क्षमता के अनुसार यात्रियों की संख्या- यात्रा में व्यक्तियों की संख्या इस प्रकार निर्धारित करें कि परिवहन के लिए एक ही वाहन पर्याप्त हो सके। वाहनों की क्षमता को ध्यान में रखते हुए योजना बनाएं ताकि अलग-अलग वाहनों को हायर करने की अतिरिक्त लागत से बचा जा सके।

बड़े समूहों के लिए हलवाई का विकल्प- यदि यात्रियों की संख्या अधिक है (आमतौर पर 10 या उससे अधिक), तो यात्रा के दौरान खाना बनाने के लिए हलवाई व उसके साथ एक - दो व्यक्तियों को साथ ले जाना एक व्यावहारिक और कई बार किफायती विकल्प हो सकता है। गृहस्थ भोजन की गुणवत्ता और पसंद सुनिश्चित की जा सकती है, और यह बाजार में महंगे भोजन की तुलना में अधिक लागत प्रभावी हो सकता है। यात्रा की अवधि के अनुसार व्यवस्था करें।

आवश्यक खाद्य सामग्री साथ ले जाना- कुछ बुनियादी और हल्के खाद्य पदार्थ जैसे सूखे मेवे, स्नैक्स, चाय, कॉफी और इंस्टेंट नूडल्स आदि अपने साथ ले जाना भी यात्रा के दौरान छोटी-मोटे भूख को शांत करने और अनावश्यक खर्चों से बचने में मदद कर सकता है।

सार समाचार

उदयपुर में थाना पानरवा पुलिस की कार्रवाई

745 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा व पीकअप सहित एक आरोपी गिरफ्तार

भागने के प्रयास में पुलिस गाड़ी को टक्कर मार की असफल कोशिश

दैनिक तस्दीक

जयपुर। उदयपुर जिले की थाना पानरवा पुलिस ने सोमवार को नाकाबंदी में 745 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा व पिकअप जब्त कर एक आरोपी किशोर कुमार पुत्र रघुनाथ राम निवासी कगाउ जिला बाड़मेर को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत 18 लाख रुपए बताई जा रही है।

एसपी योगेश गोयल द्वारा अवैध मादक पदार्थो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरुप मेवाडा एवं सीओ कोटड़ा राजेन्द्र सिंह के सुपरविजन में एसएचओ पानरवा धनपत सिंह मय टीम द्वारा सोमवार को खांचण पुलिया पर नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनों की सघनता से तलाशी ली जा रही थी।

इसी दौरान एक बिना नम्बरी सन्दिग्ध बोलेरो पिकअप को रोकने का इशारा करने पर चालक ने नाकाबंदी देख पुलिस की गाडी को टक्कर मार भागने की कोशिश की, फिर भी पुलिस टीम द्वारा घेर कर गाड़ी रुकवाई। जिसकी तलाशी में 745 किलो अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद किया गया।

आरोपी किशोर कुमार को गिरफ्तार कर पिकअप वाहन व डोडा चूरा जब्त किया गया। जब्त डोडा चूरा की कीमत करीब 18लाख रूपये आंकीं गई है। मामले में एनडीपीएस व पीडीपीपी एक्ट एवं बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान जारी है। इस कार्रवाई में एएसआई निर्मल कुमार एवं कांस्टेबल चिराग की विशेष भूमिका रही।

ऑपरेशन लाडली : बाल विवाह की रोकथाम के लिए पुलिस चलाएगी 5 दिवसीय विशेष अभियान

दैनिक तस्दीक

जयपुर। राजस्थान पुलिस प्रदेश में बाल विवाह की रोकथाम के लिए एक विशेष अभियान ऑपरेशन लाडली चलाने जा रही है। अभियान का उउद्देश्य बाल विवाह को रोकने के लिए जागरूकता फैलाना और कानूनी कार्रवाई करना है। यह अभियान 26अप्रैल से शुरू होगा और 5 दिनों तक चलेगा।

महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स एवं एएचटीयू श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006के अनुसार बाल विवाह एक अपराध है, इस कुप्रथा का आयोजन विशेष कर अक्षय तृतीया (आखातीज) व पीपल पूर्णिमा जैसे पर्वों के साथ-साथ अन्य सावों पर भी विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाता है।

अभियान का उद्देश्य व अवधि- इसी वजह से बाल विवाह की रोकथाम के लिए निरंतर निगरानी रखने एवं बाल विवाह नहीं होने की सुनिश्चितता की जानी अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से इस कुप्रथा की रोकथाम के लिए राजस्थान पुलिस 26अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक पांच दिवसीय विशेष अभियान ऑपरेशन लाडली चलाने जा रही है। जिसमें जागरूकता के साथ-साथ अवहेलना करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के दौरान क्या होगा- एडीजी श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि इसके लिए रेंज व जिला स्तर पर कार्यरत विभिन्न महिला संगठनों सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों की सहायता लेकर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला, खंड, स्कूल, ग्राम स्तरीय एवं सेवा प्रदाताओं की कार्यशाला का आयोजन कर प्रतिभागियों को अभियान के प्रति संवेदनशील बना 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालकों को बाल विवाह कानून के प्रति जागरूक किया जाएगा।

जागरूकता अभियान- राजस्थान पुलिस दुकानों, प्रमुख स्थानों पर दीवार लेखन, जागरूकता रैली, शासकीय एवं धार्मिक कार्यक्रमों में बाल विवाह नहीं करने की शपथ, डॉक्यूमेंट्री, नुक्कड़ नाटक, होर्डिंग एवं समाचार पत्रों में विज्ञापन के द्वारा भी प्रचार प्रसार करेगी

मजबूत मुखबिर तंत्र- विवाह संपन्न करने वाले ब्राह्मण, टेंट वाले, बैण्ड व घोड़े वालों और हलवाइयों को भी पाबंद किया जाएगा कि वे बाल विवाह की सूचना तुरंत पुलिस को देवें, ऐसा नहीं करने पर उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। सूचना देने वालों को प्रोत्साहन के साथ मजबूत सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराया जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पहलगाम आतंकी हमले पर व्यक्त की गहरी संवेदना

दैनिक तस्दीक

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकी घटना में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं तथा घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस जघन्य कृत्य को अंजाम देने वाले लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। हमारी सुरक्षा एजेंसियां कार्य कर रही है और आतंकवादियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अमरनाथ यात्रा से पूर्व आतंकी घटना को अंजाम देकर कश्मीर का सुखचैन छीनने का प्रयास किया गया है। आतंकवादी दहशतगर्दी का माहौल बनाने का प्रयास कर रहे है लेकिन केंद्र सरकार उनके नापाक मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी।

3 महीने में भी थाने के पीछे नहीं पहुंच पाई पुलिस, ग्रामीणों का पुलिस पर लीपापोती व मिलीभगत का आरोप

दैनिक तस्दीक

शंभूपुरा। गंगरार थाना पुलिस आरोपो के घेरे में है, ग्रामीणों ने आरोप लगाए की ऐसे तो गंगरार की पुलिस इतनी अधिक एक्टिव हो गई कि शोभायात्रा में लव जिहाद के प्रति जागरूकता को लेकर झांकी लगाने पर एक शिक्षक शंभुलाल लखारा जो संघ के अधिकारी भी है उन्हें तुरंत प्रभाव से गिरफ्तार किया लेकिन वही गंगरार पुलिस जहाँ पर ग्रामीणों ने प्रदेश स्तर पर पहुचे सालेरा अश्लील कांड मामले में मास्टर अरविंद व्यास पर मामला दर्ज करवाया जिस पर किसी तरह की कार्यवाही अभी तक नही की गई और पुलिस थाने के पीछे ही मास्टर का घर होने के बावजूद 3 महीने में भी पुलिस अभी तक मास्टर अरविंद व्यास तक नही पहुच पाई जिससे पुलिस कार्यवाही पर भी सवाल खड़े हो रहे है।

ग्रामीणों ने इस मुद्दे को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर कि आयोजित खुली पंचायत जनसुनवाई में भी रखा और ग्रामीणों ने गंगरार पुलिस पर दोगले व्यवहार का आरोप लगाते हुए बताया कि एक शिक्षक को तुरंत गिरफ्तार किया जाता है जो कि हिंदुओं को जगाने का काम कर रहे और दूसरी ओर समाज और विद्यालय में अश्लीलता फैलाने वाले मास्टर अरविंद व्यास को खुला छोड़ रखा है जबकि उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई हुई है ऐसे में ग्रामीणों ने पुलिस पर मास्टर अरविंद से मिली भगत के आरोप लगाए।

इतने बड़े मामले में कार्यवाही नही, सवालिया निशान- सालेरा विद्यालय में अरविंद व्यास ओर शिक्षिका द्वारा अश्लील हरकतों का अश्लीलता भरा वीडियो वायरल हुआ उसके बाद स्वयं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए और शिक्षा विभाग ने तत्परता दिखाते हुए तुरन्त दोनों को बर्खास्त कर दिया लेकिन रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी इतने बड़े मामले में पुलिस की शिथिलता कही ना कही कार्यवाही पर सवालिया निशान लगा रही है।

लखारा पर कार्यवाही से भी नाराजगी दिखी- मंत्री से शिकायत करने पहुचे ग्रामीणों ने बताया कि अश्लीलता फैलाने वाले को पुलिस ने खुला छोड़ रखा जबकि जागरूकता फैलाने वाले शिक्षक शम्भु लाल लखारा को किसी बड़े अपराधी की तरह तुरन्त पकड़ा गया यह गंगरार पुलिस की दोगली कार्यवाही दर्शाता है, ग्रामीणों ने दोषी मास्टर अरविंद पर जल्द कार्यवाही कि मांग की।

सनातनी कहने वाले नेता दूर क्यो रहे- अपने आप को सनातनी कहकर वोट बटोरने वाले स्थानीय जनप्रतिनिधि नेताओ द्वारा भी संघ के शंभुलाल लखारा की गिरफ्तारी मामले में चुप्पी साधने ओर दूर रहने पर लोगों का गुस्सा साफ देखने को मिला, लोगों ने कहा अपने आप को सनातनी कहने व सनातन के नाम पर वोट बटोरने वाले अब कहा गए जब एक सनातनी पर इस तरह की कार्यवाही की गई।

11 मई को चित्तौड़गढ़ में होगा राजपूत स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह, राष्ट्रीय पदाधिकारी रहेंगे मौजूद

दैनिक तस्दीक

शंभूपुरा। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना चित्तौड़गढ़ द्वारा आगामी 11 मई रविवार को एक भव्य राजपूत स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

आयोजन को सफल बनाने हेतु मंगलवार को करणी सेना के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा और जिम्मेदारियों को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक में बताया गया कि यह कार्यक्रम चित्तौड़गढ़ शहर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें करणी सेना के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष शिला सुखदेव सिंह गोगामेड़ी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

योगेन्द्र सिंह कटार सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल होंगे। यह आयोजन समाज के युवाओं और प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

इस मौके पर जिला संरक्षक महिपाल सिंह फाचर, जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह सावा, महिला जिला अध्यक्ष माया कँवर शक्तावत, जिला प्रभारी विजय सिंह विजयपुर, जिला महामंत्री बाबू सिंह भाटी, जिला उपाध्यक्ष खुशबू सिंह शक्तावत, विक्रम सिंह चौथपुरा, राम सिंह अचलपुरा, गोविंद सिंह, कान सिंह करेडिया, पवन सिंह, श्रीकांत सिंह परमार सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, आमंत्रण, प्रतिभाओं के चयन और सम्मान की प्रक्रिया आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन में जिलेभर के राजपूत समाज के प्रबुद्धजन, युवा, महिलाएं और छात्र बड़ी संख्या में भाग लेंगे। यह आयोजन सामाजिक समरसता, एकता और नई पीढ़ी के प्रोत्साहन की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

भाजपा के वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के अंतर्गत बूंदी में जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर वक्फ सुधार के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएगा : हमीद खान मेवाती

दैनिक तस्दीक

बूंदी। भारतीय जनता पार्टी के वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के अंतर्गत बूंदी जिले में एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में अभियान के सह संयोजक एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती और कोटा संभाग संयोजक डॉ.मजीद मलिक कमांडो उपस्थित रहे।

हमीद खान मेवाती ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनहित में उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर वक्फ सुधार के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने हेतु संकल्पित है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, सभापति सरोज अग्रवाल,पूर्व जिलाध्यक्ष कुंज बिहारी बिलिया, योगेंद्र श्रृंगी, कलन गोरी, हातिम कुरैशी, आफताब चौधरी, अशोक बादल, शरीफ खान, अब्दुल करीम, निसार चीता, सद्दाम पठान, परवेज खान, मजीद पठान,सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान वक्फ बोर्ड से संबंधित नियमों, संपत्ति प्रबंधन और उनके सही उपयोग की जानकारी भी साझा की गई। साथ ही, स्थानीय कार्यकर्ताओं को इस अभियान को बूथ स्तर तक ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में सुधार लाना, भ्रष्टाचार को समाप्त करना और समुदायों के बीच जागरूकता बढ़ाना रहा।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान है नम्बर एक

दैनिक तस्दीक

जयपुर। राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा- 2025 (8 से 22 अप्रैल) में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। इस अवसर पर मंगलवार को समेकित बाल विकास सेवाओं के जयपुर जिला उप निदेशक कार्यालय की ओर से जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महिला बाल विकास शासन सचिव श्री महेन्द्र सोनी, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं श्री ओ. पी. बुनकर, अतिरिक्त निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं श्रीमती अनुपमा टेलर एवं जयपुर जिला उपनिदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं श्री अर्शदीप बरार भी उपस्थित रहे।

श्री महेन्द्र सोनी ने कार्यक्रम में खुशी जताई राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान एक नम्बर पर है। पोषण पखवाड़ा में राज्य के 15 जिले लक्ष्य से आगे चल रहें। अगले तीन दिन नंबर वन पर बने रहने के लिए महत्वपूर्ण हैं। शासन सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोक सेवक दिवस पर गत 21 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में टोंक जिले के पिपलू ब्लॉक में पिछले दो वर्ष के मुकाबले इस वर्ष आंगनबाड़ी के बच्चों की मेजरमेंट एफिशिएंसी 20 से बढ़कर 99 प्रतिशत होने की प्रशंसा की है, जो हम सब के लिए गर्व का विषय और प्रेरणादायी है।

शासन सचिव ने कहा कि जब पिपलू कर सकता है तो फिर अन्य ब्लॉक क्यों नहीं कर सकते।

शराब ठेकेदार कार्यालय में मुनीम के साथ हुई 3 लाख रूपये की लूट के 2 आरोपी 4 घण्टे में गिरफ्तार

पूर्व सेल्समैन ने ही रची थी लूट की साजिश नौकरी से निकाल देने पर था खफा

दैनिक तस्दीक

जयपुर। बारां जिले के कोतवाली थाना इलाके के लंका कॉलोनी स्थित शराब ठेकेदार के ऑफिस में घुस कर मुनीम की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक डरा धमका कर करीब 3 लाख की लूट के मामले में पुलिस ने मात्र चार घंटे के अंदर आरोपी अंकुर शर्मा पुत्र बच्चु लाल (31) पुरानी छावनी ग्वालियर एवं राहुल होल्कर पुत्र सुरेश चन्द जाटव (24) निवासी सिंगल बस्ती मुरैना मध्यप्रदेश को ग्वालियर भागते समय एक बस से डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से लूट की रकम में से 2.63 लाख रुपए बराबर किए गए हैं।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि सोमवार को कोतवाली थाना क्षेत्र के लंका कॉलोनी स्थित शराब ठेकेदार दिनेश शिवहरे व आशीष के ऑफिस में घुस कर दोनों आरोपी मुनीम रामप्रसाद मेहरा आंखों में मिर्च पाउडर झोंक डरा धमका कर नकद रकम लूट ले गए थे। मुनीम ने करीब 3 लाख की लूट होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एक आरोपी अंकुर शर्मा जो पहले इनका सेल्समैन हुआ करता था को मुनीम ने पहचान लिया था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए बारां और आसपास के जिलों में नाकाबंदी करवाई गई। एएसपी राजेश चौधरी द्वारा घटनास्थल पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली गई। सीओ ओमेन्द्र सिंह, एसएचओ कोतवाली योगेश चौहान व डीएसटी की

अलग-अलग टीमों द्वारा आरोपियों की तत्परता से हुलिये के आधार पर तलाश प्रारम्भ की गई। पुलिस की विभिन्न टीमों ने इनके ग्वालियर की ओर जाने की शंका के आधार पर शिवपुरी की ओर जाने वाले हाईवे पर कडी नाकाबंदी कराई गई।

मुण्डियर टोल नाका, शाहबाद व कोटा नाका कस्बाथाना पर कडी नाकाबंदी करा शिवपुरी की ओर जाने वाले प्रत्येक वाहन को चेक किया गया। वारदात के 04 घंटे बाद एसएचओ शाहबाद प्रेमसिंह मीणा व उनकी टीम ने हुलिये के आधार पर शिवपुरी की ओर जाने वाली रोडवेज बस में दोनों आरोपियों को धर कर कोतवाली पुलिस को सुपुर्द कर दिया। जिन्हें पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी राहुल जाटव को बापर्दा रखा गया है।

पुछताछ में सामने आया कि शराब के ठेकेदार आशीष द्वारा आरोपी अंकुर शर्मा को कुछ दिन पहले फतेहपुर स्थित शराब के ठेके पर सेल्समैन रखा था। चाल चलन सही नहीं होने व दुकान पर शराब बिक्री के रूपयों का सही हिसाब नहीं देने के कारण नौकरी से हटाये जाने पर अंकुर तभी से आशीष से रंजिश रखने लग गया था। उसे नकद रूपये ऑफिस में रखे जाने की जानकारी थी।

इस पर अंकुर ने अपने साथी राहुल जाटव को फोन कर लूटने की योजना बनाई। कल सुबह राहुल ग्वालियर से चल कर ट्रेन से बारां आया। बस स्टैण्ड स्थित एक होटल में इन्होंने कैश लूट की योजना बनाई। बाजार से मुंह ढकने के कपडे खरीदें तथा मिर्ची पाउडर खरीदा।

योजनानुसार दोनों आरोपी शराब ठेकेदार के ऑफिस पहुंचे। मुंह पर कपड़ा लपेट मुनीम की आंखों में मिर्च पाउडर डाल मारपीट कर ऑफिस का सम्पुर्ण कैश लगभग 03 लाख रूपये लूटकर बस स्टैण्ड की तरफ गये।

वहा से रेलवे स्टेशन जाकर ट्रेन में बेठकर फरार होने की फिराक में थे, लेकिन ट्रेन नहीं होने पर पुन: बस स्टेशन आकर ग्वालियर जाने के लिये रोडवेज की बस से शिवपुरी की ओर जाने की योजना बनाई परन्तु पुलिस ने लूटेरों की योजना को विफल कर बीच रास्ते में धर दबोचा। इनसे लूटी गयी राशि 263120/- रूपयें बरामद किये गये है।

इस कार्रवाई में थाना कोतवाली से एसएचओ योगेश चौहान, हेड कांस्टेबल पवन कुमार, दिलीप सिंह कांस्टेबल कृष्ण मुरारी, एसएचओ शाहबाद प्रेम सिंह मय जाप्ता, साइबर सेल से एएसआई जगदीश चन्द्र शर्मा एवं जिला विशेष टीम शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक पृथ्वीराज सिंह के लिए महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़, जयपुर से मुद्रित तथा- जी 2 फोरच्यून पार्क एवेन्यू 93, गंगा बिहार, गोकुलपुरा, कालवाड़ रोड़, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक पृथ्वीराज सिंह, मो. 7073796493, E-mail: tasdeeknews@gmail.com * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा)